Nai Dunia (Indore), 21st February 2021, Page-7

आइआइटी 11 मई से करेगा विज्ञान सम्मेलन और एक्सपो का आयोजन

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर 11 से 13 मई तक विज्ञान सम्मेलन और एक्सपो-2021 का आयोजन करेगा। आयोजन में सहयोगी होंगे मध्यप्रदेश काउंसिल आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी और विज्ञान भारती। इसका उद्देश्य विकसित प्रदेश और आत्मनिर्भर भारत के लिए पारंपरिक शैक्षणिक प्रणाली और आधुनिक विज्ञान के इकोसिस्टम को बेहतर बनाना है। एमएसएमई, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने शनिवार को आयोजन की तैयारियों की जानकारी ली। डा. संतोष विश्वकर्मा ने एक्सपो के विभिन्न कार्यक्रमों से अवगत कराया।

मंत्री सखलेचा ने कहा कि हमारी पारंपरिक शैक्षणिक प्रणाली बहुत मजबूत रही है और अन्य देशों द्वारा पसंद की गई है। हमें इसके बारे में अधिक बात करनी चाहिए। हमारी पारंपरिक शैक्षणिक प्रणाली हमारे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का निर्माण करेगी। हमें मध्यम स्तर के उद्योगों की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि आइआइटी जैसे संस्थानों को गुणवत्ता अनुसंधान प्रदान करने के लिए देखते हैं। आइआइटी जैसे शीर्ष संस्थानों पर बहुत जिम्मेदारी है। संस्थान को देश के आयात बिल को कम करने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि मई में आयोजन में चर्चा के बाद ऐसे परिणाम मिलेंगे, जो लंबे समय तक याद रहेंगे।

कार्यक्रम

- मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने लिया तैयारियों का जायजा
- मध्यम उद्योगों की समस्याओं पर ध्यान देने पर दिया जोर

आइआइटी तैयार कर रहा है औद्योगिक अनुसंधान पार्क

कार्यकारी निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने आइआइटी इंदौर में चल रहे विभिन्न शोध कार्यों के बारे में मंत्री को जानकारी दी। महामारी के समय दी गई सहायता के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा को अनुसंधान केंद्रित होना चाहिए। इससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा इसके बदले में कई नए उत्पाद पेटेंट होंगे। उन्होंने कहा कि आइआइटी इंदौर औद्योगिक अनुसंधान पार्क तैयार करने पर काम कर रहा है। इसमें नवाचार, ऊष्मायन, उद्यमशीलता के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर हम काम कर रहे हैं। इससे प्रयोगशाला में अनुसंधान के बाद नए उत्पाद उचित व्यावसायीकरण के साथ बाजार में लाए जा सकेंगे।

अधिकारियों ने मंत्री को विशेष विज्ञान बस भी दिखाई जिसका उपयोग आधुनिक विज्ञान और राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में एक्सपो में दिखाए जाने वाले प्रोजेक्ट प्रचारित करने के काम में लिया जाएगा।